प्रदूषण व भ्रष्टाचार

पल्लवी चौधरी
पुत्री श्री रामकुमार,
राष्ट्रीय जलविज्ञान संस्थान, रूड़की

ये गुलिस्ताँ हमारा, आओं इसे प्रदूषण व भ्रष्टाचार रहित बनायें।
आने वाले कल में हम जिस पर नाज करें, इसे ऐसा सजाएं।
(कक्षा में गीत गाती हुई 4-5 लड़कियां)

टीचर का कक्षा में प्रवेश - सभी बच्चे चुप होकर खड़े हो गये

टीचर (पल्लवी)		हां, बच्चों तुम क्या गा रहे थे?
कविता (एक छात्रा)	-	मैम, हम पर्यावरण व समाज के लिए क्या कर सकते हैं? सोच रहे हैं, लेकिन कोई निर्णय नहीं ले पा रहे हैं।
टीचर	-	हां, हम सभी एक छोटा सा संकल्प लेकर पर्यावरण व समाज की बहुत बड़ी सेवा कर सकते हैं।
सभी छात्र	-	मैम कैसे? हमें बताओं।
टीचर	-	बच्चो ऐसे नहीं, पहले हम-तुम और वें जो देख व सुन रहे हैं, सभी मिलकर संकल्प लें।
सभी छात्र	-	हां, हम सब संकल्प लेते हैं।
टीचर	-	1- जल, जीवन है, इसका हम सदुपयोग करेंगे
		2- पोलीथीन बैग का इस्तेमाल नहीं करेंगे
		3- नदी व नहरों में कूडा-करकट नहीं डालेंगे
		4- ध्वनि प्रदूषण को रोकेंगे
		5- सभी धर्मों को समान आदर देंगे
		6- न दहेज लेंगे न देंगे
		7- जाति-पाति का भेदभाव नहीं रखेंगे
		8- विश्व में भाईचारा व समानता की भारतीय धारणा को प्रबल करेंगे।

जय शिक्षक - जय भारत
राष्ट्र निर्माता शिक्षक जिन्दाबाद,
भारत राष्ट्र जिन्दाबाद।